प्रेस विज्ञप्ति

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

शिमला, 02 नवंबर, 2017

''झूठे जुमलों की भरमार, ऐसी रही मोदी सरकार''

''छल और प्रपंच बार बार, ऐसी रही मोदी सरकार''

''बेरोजगारी व भ्रष्टाचार, ऐसी रही मोदी सरकार''

''नोटबंदी व जीएसटी की दोहरी मार, ऐसी रही मोदी सरकार''

'जुमला बाबू' आज फिर 'जुमलों की बारिश' लेकर आए हैं। मगर श्री नरेंद्र मोदी भूल गए हैं कि देश **'जुमलों से नहीं'** बल्कि **'जनमत के प्रति जिम्मेदारी'** से चलेगा। मोदी जी का नारा साफ है – **'Only भाषण, No शासन'।** भाजपाई कुशासन में किसान आत्महत्या की ड्योढ़ी पर खड़ा है, नौजवान बेरोजगारी की मार झेल रहा है, सैनिक भाजपाई उत्पीड़न का शिकार है, बेलगाम महंगाई से आम जनमानस पिस रहा है, व्यापार व व्यवसाय ठप्प पड़ा है तथा अर्थव्यवस्था ICU में हैं। इनका खामियाजा – **'भुगत रहा है देश व हिमाचल प्रदेश'।**

मोदी सरकार, पहाड़ी राज्यों की दुश्मन:

साल 2015 में श्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों के 'विशेष राज्य का दर्जा' खत्म कर दिया। सत्ता के शतरंज की झूठी गोटियां बिठाने के लिए अप्रैल, 2017 में इसे फिर बहाल किया गया।

मुख्यमंत्री, श्री वीरभद्र सिंह ने मोदी सरकार से ''विशेष श्रेणी पर्वतीय राज्य'' के दर्जे की राशि देने का कई बार अनुरोध किया, जिसे मोदी जी ने ठुकरा दिया। **पूर्व केंद्रीय कांग्रेस सरकार द्वारा मंजूर कर 90:10 के अनुपात में 2767 करोड़ रु. की राशि 2014–15 में मिली। इसके बाद आज तक हिमाचल को केंद्रीय सरकार द्वारा फूटी कौड़ी नहीं दी गई। मोदी सरकार द्वारा यह हिमाचल के लोगों के साथ किया गया अक्षम्य छल है।**

हिमाचल पूछता है मोदी जी से– 'क्या हुआ तेरा वादा?'

मई, 2014 के लोकसभा चुनाव में श्री नरेंद्र मोदी **'सपनों के सौदागर'** बनकर आए व अनेकों लोकलुभावन वादे किए। **देवभूमि के लोग पूछ रहे हैं :–**

1. **29 अप्रैल, 2014 को मंडी** में मोदी जी ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर चंडीगढ़ से लद्दाख तक हिमालय रेल नेटवर्क बनाएंगे। 41 महीने बाद रेल मंत्रालय का जवाब है कि ऐसा कोई विचार नहीं। **यह धोखा क्यों?**
2. **29 अप्रैल, 2014 को सोलन** रैली में मोदी जी ने वायदा किया कि उनकी सरकार बनने पर सेब के आयात पर 'इंपोर्ट ड्यूटी' (आयात शुल्क) कई गुना बढ़ा दी जाएगी, ताकि सेब उत्पादकों को संरक्षण मिले। अब मोदी जी के शासन में 3 लाख टन से

अधिक सेब अमेरिका/चीन/न्यूज़ीलैंड से आ रहा है, पर मोदी जी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। **यह छल क्यों?**

3. **29 अप्रैल, 2014 को** मोदी जी ने **पालमपुर** की रैली में हिमाचल को 'पर्यटन का स्वर्ग' बना सबको रोजगार दिलवाने का वायदा कर डाला। 41 महीने में मोदी सरकार ने हिमाचल को पर्यटन के नाम पर न फूटी कौड़ी दी, न कोई नया प्रोजेक्ट। **ऐसा प्रपंच क्यों?**

4. **27 अप्रैल, 2017 को** मोदी जी ने 'उड़ान' स्कीम (उड़े देश का हर नागरिक) की शुरुआत दिल्ली–शिमला उड़ान से कर टिकट का रेट 2036 रुपया बताया व कहा कि अब हवाई चप्पल पहनने वाला हर व्यक्ति हवाई जहाज में सफर कर सकेगा। पर 6 महीने बाद नतीजा यह कि दिल्ली–शिमला जहाज या तो चलता नहीं और चलता है तो टिकट का दाम 15000 रु. से अधिक है। **यह कपट क्यों?**

अब मोदी जी **'जुमलों की बानगी'** के निर्विवादित सरदार बन गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का नोटबंदी का तुगलकी फैसला बना– 'सुनियोजित लूट' व लोगों की 'जेब पर डाका'

श्री नरेंद्र मोदी भारत के इतिहास में दूसरे 'मुहम्मद–बिन–तुगलक' के तौर पर जाने जाएंगे। क्योंकि मोदी जी की नोटबंदी ने देश में की तालाबंदी। सच कहा है, नोटबंदी है, **'मोदी निर्मित आपदा'** (Modi Made Disaster)।

क्या श्री नरेंद्र मोदी व भाजपा बताएंगे:–

1. **आखिर, 'काला धन' कहां गया?**

   8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी के समय चलन में ₹15.44 लाख करोड़ में से ₹15.28 लाख करोड़ वापस आ चुके हैं। इसका मतलब है कि केवल ₹16000 करोड़ अब तक वापस नहीं आए। भूटान, नेपाल व अदालतों में जमा पैसे की गणना के बाद ये 16,000 करोड़ भी वापस आ जाएंगे। मोदी जी और जेटली जी ने ₹5 लाख करोड़ काला धन वापस न आने का दावा किया था। तो बताएं कि कहां है काला धन?

2. प्रधानमंत्री, श्री मोदी और वित्तमंत्री, जेटली नवंबर, 2016 से मई, 2017 तक यह घोषणाएं करते रहे कि उनकी सरकार ने कालाधनधारकों पर वार करते हुए कुल ₹17,526 करोड़ की 'छिपी हुई आय' (अनडिस्क्लोज़्ड इंकम) का पता लगाया है। पर क्या 'झूठ की बिसात' पर बनी भाजपा सरकार यह भी बताएगी कि केंद्रीय कांग्रेस सरकार ने अकेले साल 2013–14 में कालाधनधारकों की ₹1,01,183 करोड़ 'छिपी हुई आय' (अनडिस्क्लोज़्ड इंकम) पकड़ी थी, जो 600 प्रतिशत अधिक है। **क्या कारण है कि मोदी जी के आते ही कालाधन पकड़ने पर विराम लग गया?**

3. मोदी जी ने कहा था कि नोटबंदी का असली कारण **'जाली नोट'** पकड़ना है। यहां तक वित्त मंत्रालय ने भी दिनांक 8 नवंबर, 2016 की अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि नोटबंदी जाली नोट पकड़ने के लिए की गई थी। RBI रिपोर्ट से यह दावा भी खोखला साबित हुआ। वापस आए 15.28 लाख करोड़ नोटों में से केवल 41 करोड़ करेंसी नोट ही जाली पाए गए, यानि केवल 0.0013 प्रतिशत। जब 99.998 प्रतिशत नोट असली हैं, तो **'जाली नोट' कहां हैं? क्या यह एक और 'जुमला' है?**

4. मोदी जी ने नोटबंदी का एक और कारण दिया कि इसका लक्ष्य 'आतंकवाद और नक्सलवाद' पर लगाम लगाना है। आंकड़े इस दावे को भी झूठा साबित कर देते हैं। नोटबंदी के बाद अकेले जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद की 50 बड़ी घटनाएं हुई हैं, जिनमें सेना के 80 जवान शहीद हुए और 51 नागरिक मारे गए। नोटबंदी के बाद 17 बड़े नक्सली हमले हुए हैं, जिनमें 69 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 86 नागरिक मारे गए। **क्या आतंकवाद व नक्सलवाद पर लगाम लगाने का वायदा भी झूठा निकला?**

अगर यह सब मोदी जी का झूठ था, तो वो बताएं कि बैंकों की लाईन में खड़े 150 निर्दोष लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है? छोटे, लघु उद्योगों व असंगठित क्षेत्रों में 3.72 करोड़ लोगों की नौकरियां छीनने का जिम्मेदार कौन है? देश की GDP में 2 प्रतिशत का घाटा कर (9.2 प्रतिशत से 5.7 प्रतिशत) लोगों की आय को 3 लाख करोड़ से अधिक का नुकसान पहुंचाने का जिम्मेदार कौन है?

जीएसटी बना 'गब्बर सिंह टैक्स'– महंगाई अपरंपार, ठप्प कारोबार

'एक देश, एक टैक्स' के नाम पर मोदी जी ने सात से अधिक टैक्स दरें लागू कर डालीं। **यह दरें (0.25 प्रतिशत, 3 प्रतिशत, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, 28 प्रतिशत और 40 प्रतिशत) दुनिया में सबसे अधिक हैं।** सच्चाई यह है कि भाजपा द्व ारा लागू किया जीएसटी है, **'टैक्स का जंजाल, जनता महंगाई से बेहाल'।** भाजपा ने 'रोटी, कपड़ा और मकान' पर बेतहाशा टैक्स लगा आम जनमानस की कमर तोड़ दी है। क्या भाजपा बताएगी कि रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीज़ों जैसे शैंपू/डिटरजेंट/एसी/टीवी/वॉशिंग मशीन/फर्नीचर/कंप्यूटर/टेलीफोन/आईस्क्रीम/ हेयर ऑईल/टूथपेस्ट/सूप/कॉर्न फ्लेक्स/इंश्योरेंस/ होम लोन/टेक्सटाईल/ब्लड टेस्ट/एक्सरे/अल्ट्रा साउंड आदि पर इतना टैक्स क्यों लगाया? क्या भाजपा बताएगी कि कपड़ा उद्योग, चमड़ा उद्योग व आभूषण उद्योग पर टैक्स लगा उसे बंद करने की कगार पर क्यों खड़ा कर दिया गया? खेती पर पहली बार टैक्स क्यो लगाया गया?

वास्तविकता यह है कि भाजपा व मोदी सरकार का जनविरोधी चेहरा बेनकाब हो चुका है। देवभूमि हिमाचल की जनता भाजपा को छल, कपट, प्रपंच, व धोखे का करारा जवाब देगी।

जीतेगी कांग्रेस, जीतेगा हिमाचल।